



પાઠ-૫

જીવ-અજીવ



પ્રકાશ છાબડા, યંગ જૈન સ્ટડી ગ્રુપ, ઇન્દોર



99260-40137

जीव किसे कहते हैं?



- ★ जो ज्ञाता-द्रष्टा है, वही जीव है ।
- ★ जो जानता है, जिसमें ज्ञान है।
- ★ जो सुख व दुःख का अनुभव करता है।

जीव के अन्य नाम

जीव

आत्मा

चेतन

प्राणी

अजीव किसे कहते है?

- ★ जिसमें ज्ञान नहीं है।
- ★ जो ज्ञान नहीं सकता।
- ★ जो सुख व दुःख का अनुभव नहीं करता है।



आँखें देखती हैं, कान
सुनते हैं, शरीर में सुख-
दुःख होता है, तो अपना
शरीर तो जीव है ना ?

प्रश्न





शरीर



क्योंकि

✓ मैं जानता हूँ

✓ मैं सुख-दुःख का वेदन करता हूँ

✓ शरीर नहीं जानता

✓ आँख, कान नहीं देखते

✓ शरीर में सुख-दुःख नहीं होता है

शरीर अगर जानता, सुख-दुःख भोगता, तो मुर्दा भी जानता!

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

जैसे-

मैं

शरीर

जीव

अजीव

वैसे ही-

हाथी आदि सभी
चेतन पदार्थ



जीव

उनका शरीर



अजीव

इसके जानने से क्या लाभ हैं?

- ★ इसको जाने बिना आत्मा की सच्ची पहिचान नहीं हो सकती
- ★ और आत्मा की पहिचान बिना सच्चा सुख नहीं मिल सकता
- ★ तथा हमें सुखी होना है।
- ★ जीव-अजीव का ज्ञान कर हम स्वयं भगवान बन सकते हैं।

